पर्यटन सुविधाओं से भी जुड़ेंगे आगरा, प्रयाग औद्योगिक क्लस्टर

एनआईसीडीसी के साथ यूपी विकसित कर रहा औद्योगिक हब, 5000 करोड़ के निवेश का अनुमान

■ NBT रिपोर्ट, लखनऊ

यूपी को मैन्युफेक्चरिंग हब बनाने के लिए प्रदेश में औद्योगिक क्लस्टर के विकास पर जोर दिया जा रहा है। इसी कड़ी में आगरा और प्रयाग में औद्योगिक क्लस्टर विकसित किए जा रहे हैं। निवेश के इन महत्वाकांक्षी परियोजनाओं को पर्यटन सुविधाओं से भी जोड़ा जाएगा। पिछले दिनों इंडस्ट्री, पर्यटन व संस्कृति विभाग की साझा बैठक में इसकी कार्ययोजना तैयार करने पर सहमति बनी है।

नैशनल इंडस्ट्रियल कॉरिडोर डेवलपमेंट प्रोग्राम (NISDC) और यूपी स्टेट इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथारिटी (UPSIDC) मिलकर आगरा व प्रयागराज क्लस्टर की कार्ययोजना पर काम कर रहे हैं। इसके साथ ही यमुना एक्सप्रेसवे पर वोड़ाकी के पास सबसे बड़ा लॉजिस्टिक हब विकसित किया जा रहा है।

हाल में ही इंडस्ट्री विभाग के प्रमुख सचिव आलोक कुमार एवं NISDC के एमडी रजत सैनी के बीच दोनों ही औद्योगिक नोड्स के साथ ही वोड़ाकी में भी बुनियादी ढांचे के विकास को लेकर बैठक हुई थी। इसमें पर्यटन एवं संस्कृति विभाग के अफसर भी शामिल थे। आगरा क्लस्टर में लेदर और अपैरल, फूड प्रॉसेसिंग, मेडिसिन, इंजीनयरिंग एवं एजुकेशन के साथ ही इलेक्ट्रानिक सिस्टम डिजाइन एवं विनिर्माण से जुड़े उद्योगों की स्थापना पर फोकस किया जा रहा है। वहीं, प्रयाग क्लस्टर में ई-मोबिलिटी, लेदर, रेडीमेड गारमेंट्स के साथ ही साइकल के निर्माण और पैकेजिंग हब को विकसित किए जाने की योजना पर काम चल रहा है।

आगरा क्लस्टर

- 1058 एकड़ में होगा विकसित
- 3400 करोड़ का निवेश
- 1800 करोड़ होंगे खर्च
- 70 हजार को मिलेगा रोजगार

प्रयागराज क्लस्टर

- 352 एकड़ में होगा विकसित
- 1600 करोड़ का अनुमान
- 658 करोड़ होंगे खर्च
- 18 हजार को मिलेगा रोजगार

> इंडस्ट्रियल क्लस्टर में बुनियादी सुविधाएं विकसित करने से लेकर जमीन आवंटन तक की टाइम लाइन तय की गई है। पर्यटन की संभावनाओं पर भी काम हो रहा है। जल्द ही इसे अंतिम रूप दिया जाएगा।
> -आलोक कुमार,प्रमुख सचिव इंडस्ट्री

'विकास भी, विरासत भी' की थीम पर काम

आगरा और प्रयाग दोनों ही क्लस्टरों की रेल, रोड और एयर कनेक्टविटी अच्छी है। इतिहास एवं संस्कृति के महत्वपूर्ण केंद्र होने के कारण 'विकास भी, विरासत भी' थीम पर काम हो रहा है। प्रयाग में सरस्वती हाइटेक सिटी में क्लस्टर के लिए जमीन दी जा रही है। यह संगम से काफी दूर है। वहीं, आगरा में ग्रीन बेल्ट में पिकनिक स्पॉट विकसित किए जाने पर विचार चल रहा है। रिवर फ्रंट, मिनिएचर पॉर्क, बोटिंग, कॉन्जेट आदि विकसित करने से यह पर्यटन एवं मनोरंजन का केंद्र बन सकता है। कंसल्टेंट नियुक्त कर कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए गए है।